

सालाना 8975 करोड़ की बिजली खरीदती है एजेंसी, राजस्व प्राप्ति ₹7311 करोड़

बिजली वितरण निगम को प्रतिवर्ष 1663 करोड़ रुपये का हो रहा घाटा

बिजली वितरण निगम की ऑडिट रिपोर्ट में हुआ आय-व्यय का खुलासा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड बिजली वितरण निगम सालाना 8975 करोड़ रुपये की बिजली विभिन्न पावर कंपनियों से खरीदता है। इसके एवज में वितरण निगम को विभिन्न स्रोतों से सालाना 7311 करोड़ की राजस्व की प्राप्ति होती है। इसका खुलासा बिजली वितरण की ऑडिट रिपोर्ट में हुआ है। इस हिसाब से लगभग 1663 करोड़ का सालाना रेवेन्यू गैप रह जाता है यानी वितरण निगम को 1663 करोड़ का घाटा होता है।



वेटन-पेंशन पर सालाना खर्च 349.60 करोड़

वितरण निगम अफसरों-कर्मियों के वेटन-पेंशन सहित अन्य मदों में सालाना 349 .60 करोड़ रुपये खर्च करता है। इसमें वेटन का 261.91 करोड़, पेंशन का 52.22 करोड़, अर्न लीव इंडेंशमेंट का 18.12 करोड़, ग्रेच्युएटी का 10 .36 करोड़, पीएफ का 1.57 करोड़ और स्टॉफ वेलफेयर का 5.39 करोड़ शामिल है।

11.81 लाख लाभुकों को चार माह से नहीं मिली पेंशन : अमर बाउरी

■ समाज कल्याण विभाग की लापरवाही के कारण लाखों वृद्ध, विधवा और दिव्यांग लोग पेंशन से वंचित

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि हेमंत सरकार की नाकामी रही है कि 11.81 लाख लाभुकों को सितंबर 2024 से पेंशन नहीं मिली है। झारखंड में पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को पिछले चार महीने से पेंशन नहीं मिली है। हर तीन महीने में उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजने का नियम है लेकिन समाज कल्याण



विभाग की लापरवाही के कारण लाखों वृद्ध, विधवा और दिव्यांग लोग पेंशन से वंचित हैं। उन्होंने जनता के सवालों को भी सरकार के समक्ष रखा है। इन सवालों में क्या 11.81 लाख गरीब और जरूरतमंद लोग सरकार की प्राथमिकता में नहीं हैं। क्यों समय पर प्रमाण पत्र भेजने में असफल रही सरकार और 100 करोड़ के फंड का उपयोग क्यों नहीं हो रहा।

कोर्ट ने जेपीएससी के जवाब पर जतायी सहमति

ओएमआर शीट सही से नहीं भरने पर उम्मीदवारी रद्द करना सही : हाईकोर्ट

अधिक अंक होने के बाद भी जेपीएससी की पीटी परीक्षा में चयनित नहीं होने के खिलाफ दाखिल याचिका पर हुई सुनवाई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की कोर्ट में बुधवार को अधिक अंक होने के बाद भी जेपीएससी की पीटी परीक्षा में चयनित नहीं होने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जेपीएससी के जवाब से सहमति जताते हुए अदालत ने प्रार्थी को राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि ओएमआर शीट सही से भरना जरूरी है। ऐसे में जेपीएससी द्वारा उम्मीदवारी रद्द करने का निर्णय



सही है। इस संबंध में प्रार्थी कृष्णानंद पांडेय सहित अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता प्रिंस कुमार ने अदालत को बताया कि प्रार्थी ने ओएमआर शीट सही तरीके से नहीं भर था। रोल नंबर सहित कुछ अनिवार्य कॉलम को भी सही से नहीं भरा गया था। इसलिए, उनका पीटी परीक्षा में चयन नहीं किया गया है। उनकी ओर से हाईकोर्ट के पूर्व के आदेश

को हवाला दिया गया। पूर्व में हाई कोर्ट ने कहा था कि परीक्षा के दौरान ओएमआर शीट सही तरीके से भरना अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने पर किसी को राहत नहीं दी जा सकती है। प्रार्थी की ओर से बताया गया कि जेपीएससी द्वारा पीटी परीक्षा का रिजल्ट और ऑफसर शीट जारी किया गया है। उसमें निर्धारित अंक से उनका अधिक प्राप्तांक है लेकिन, उनका चयन पीटी परीक्षा में नहीं किया गया है, जो गलत है।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होंगे नेतरहाट के मुखिया

रांची। लातेहार जिले के नेतरहाट पंचायत के मुखिया राम विष्णु नंगेसिया को गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड समारोह में शामिल होने का गौरव प्राप्त हुआ है। पंचायती राज विभाग झारखंड सरकार के द्वारा चयन किया गया है। मुखिया राम के चयन से पूरा जिला गर्व महसूस कर रहा है. उनकी यह उपलब्धि पूरे जिले के लिए गर्व का क्षण है। मुखिया राम के रूप में जिला का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर होगा, जो पंचायत की सक्रियता और विकास कार्यों को दर्शाता है। मुखिया राम ने पंचायती राज विभाग और जिले के लोगों का आभार जताया है। जिला प्रशासन व स्थानीय अधिकारियों ने नेतरहाट मुखिया राम विष्णु नंगेसिया को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। डीसी ने कहा कि यह पूरे क्षेत्र के लिए सम्मान की बात है।

सालाना इतने की बिजली खरीदता है वितरण निगम : वितरण निगम विभिन्न कंपनियों से सालाना 809490 .28 लाख की बिजली खरीद की जाती है। इसके अलावा दूसरे के लाइन से बिजली लेने के लिए ट्रांसमिशन चार्ज के रूप में सालाना खर्च 88004.39 लाख रुपये खर्च किये जाते हैं। इस हिसाब से बिजली खरीद में कुल खर्च 897494.67 लाख रुपए खर्च होता है।

किस कैटगरी से सालाना कितने राजस्व की होती है प्राप्ति	
कैटगरी	राशि (लाख में)
घरेलू उपभोक्ता	70254.30
कॉमर्शियल	81963.75
पब्लिक लाइटिंग	9108.89
सिंचाई	5244.49
इंडस्ट्रियल एलटी	23423.23
इंडस्ट्रियल एलटी	199745.62
रेलवे	9182.16
मीटर रेंट	617.80
व्हालिंग चार्ज	37147.39
कैपिटल वर्क	2140.96
कंज्यूमर रीबेट	7709.46

संविधान से छेड़छाड़ करने वाली पार्टी बन गयी है कांग्रेस : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। डोरंडा के अंबेडकर चौक से बुधवार को संविधान गौरव यात्रा का शुभारंभ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया। श्री मरांडी ने बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। माल्यार्पण के उपरांत बाबूलाल मरांडी ने डोरंडा क्षेत्र के रविदास मोहल्ला में जनसंपर्क अभियान चलाकर अनुसूचित जाति समाज के लोगों के बीच अपनी पार्टी की भावना एवं कांग्रेस पार्टी की अंबेडकर विरोधी चेहरे को उजागर किया। उन्होंने बताया कि भाजपा हमेशा से ही



बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और भारतीय संविधान का सम्मान करने वाली पार्टी है। जबकि कांग्रेस ने सबसे अधिक बार भारतीय संविधान में छेड़छाड़ किया है। वही संविधान विरोधी पार्टी आज जनता को बरगलाने का प्रयास कर रही है। विधायक नवीन जायसवाल ने

कहा कि कांग्रेस से हर हाल में जनता को सजग रहने की आवश्यकता है। कांग्रेस ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को कई बार चुनाव में हराने का प्रयास किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू

विनोबा भावे यूनिवर्सिटी ने रचा इतिहास

1.19 लाख विद्यार्थियों के डेटा को अपलोड किया



खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। विनोबा भावे यूनिवर्सिटी ने 1 लाख 19 हजार 685 विद्यार्थियों के डेटा को अपलोड डिजिटल वर्ल्ड में एक नया कीर्तिमान रच दिया है। अब इस मामले में वह झारखंड में पहले पायदान पर आ गया है। विद्यार्थियों को होगी आसानी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार ने बताया कि विद्यार्थियों को हो रही

असुविधा को देखते हुए विश्वविद्यालय ने इस दिशा में ठोस पहल की है। अब विद्यार्थी डिजिटलाॅकर में जाकर भी अपने अंक पत्र और उपाधि डाउनलोड कर सकते हैं। नयी शिक्षा नीति 2020 के तहत हुआ यह कार्य : यह कार्य नई शिक्षा नीति 2020 को धरातल पर लाने के उद्देश्य से किया गया है। इसके तहत प्रत्येक विद्यार्थी का एकेडमिक बैंक क्रेडिट का डिजिटल आईडी बनाया गया है।

प्रथम एवं द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा गड़बड़ी मामला

दायर आरोप पत्र को कोर्ट के रिकार्ड में लाये सीबीआई : हाई कोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। प्रथम एवं द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई जांच करने वाली बुद्धदेव उरांव की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में हाई कोर्ट की खंडपीठ ने सीबीआई को मामले में दायर आरोप पत्र को कोर्ट के रिकॉर्ड में लाने का निर्देश दिया। इससे पूर्व सीबीआई की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में रांची की सीबीआई की अदालत में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय दिया जाए। अगली सुनवाई 5 फरवरी को होगी। पिछली सुनवाई में खंडपीठ ने सीबीआई को जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय गड़बड़ी से संबंधित केस नंबर आरसी 5/2012 एचसी-आर एवं आरसी 6/2012 एचसी-आर के अनुसंधान की स्थिति पर जवाब

सुनवाई 5 फरवरी को

मांगा था। जेपीएससी प्रथम परीक्षा गड़बड़ी मामले में 4 मई को 2024 को सीबीआई ने केस नंबर आरसी 5/2012 एचसी-आर में सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसमें सीबीआई ने जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद समेत 70 आरोपियों के खिलाफ सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। झारखंड में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी की जांच का आदेश हाईकोर्ट ने साल 2012 में सीबीआई को दिया था। 12 साल से अधिक समय तक सीबीआई ने की मामले की अनुसंधान पूरी कर दोनों मामलों में आरोप पत्र दाखिल किया है। दरअसल, बुद्धदेव उरांव ने जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय की परीक्षा में अंको की हेरा फेरी एवं एवं रिजल्ट प्रकाशन में गड़बड़ी की जांच सीबीआई से कराने का आग्रह किया है।

बजट में शामिल होंगे लोगों के सुझाव

आज से बजट पर शुरू होगी दो दिवसीय चर्चा

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने बजट को लेकर विभागवार चर्चा करने का फैसला किया है। यह चर्चा 16 जनवरी से शुरू होगी और दो दिनों तक चलेगी। इस दौरान विभाग के अधिकारियों, मंत्रियों और विशेषज्ञों से महत्वपूर्ण सुझाव लिए जायेंगे। बताते चलें कि तीन मार्च को सदन में बजट पेश किया जायेगा। बजट में शामिल होंगे लोगों के सुझाव : सरकार ने पोर्टल के जरिए लोगों से भी सुझाव मांगे गए हैं। सुझाव मिल भी रहे हैं। राज्यहित में दिए गए सुझावों को बजट में शामिल किया जायेगा। यह बजट



स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर केंद्रित होगा। वित्त मंत्री का दावा, 80 से 90 फीसदी राशि होगी खर्च : वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा है कि सरकार बजट का 80 से 90 फीसदी राशि उपयोग कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव वर्ष में विकास की गति में कमी आती है, लेकिन इस बार सरकार बेहतर प्रदर्शन करेगी।

एनएचआई अध्यक्ष ने लिखा चीफ सेक्रेट्री को पत्र, जतायी चिंता

एनएच प्रोजेक्ट के लिए अधिग्रहित भूमि पर फंसा म्यूटेशन का पैंच

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। झारखंड में नेशनल हाइवे के लिए ली गयी अधिग्रहित जमीन में म्यूटेशन का पैंच फंसा गया है। अब तक कुल अधिग्रहित भूमि का मात्र दो फीसदी जमीन का ही म्यूटेशन अब तक हो पाया है। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के चेयरमैन संतोष यादव ने चिंता जतायी है और राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी को इस संबंध में पत्र भी लिखा है।

पत्र में एनएचएआई अध्यक्ष ने कहा है कि भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में यह भी महत्वपूर्ण है। झारखंड राज्य में भूमि नामांतरण की प्रगति अत्यंत धीमी है। नामांतरण प्रक्रिया में देरी : रिकॉर्ड के अनुसार, अब तक केवल 152



हेक्टेयर भूमि का नामांतरण किया गया है, जो कुल 7609 हेक्टेयर का केवल 2 फीसदी है। यदि नामांतरण प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं होती है, तो इससे कानूनी स्वामित्व समस्याएं, परियोजना कार्यान्वयन में देरी और नियामक आवश्यकताओं का पालन न करने जैसी दिक्कतें उत्पन्न हो

सकती हैं। बताते चलें कि इस मामले को लेकर मुख्य सचिव अलका तिवारी ने हाल ही में सभी जिलों के डीसी के साथ समीक्षा बैठक कर निर्देश दिया था कि वे सभी रूकावटों को दूर करें। सभी विभागों से समन्वय बनाकर समाधान निकालने की भी बात कही थी।

राजद ने जिलावार सदस्यता अभियान प्रभारी घोषित किया

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। प्रदेश राजद अध्यक्ष सह विधायक संजय सिंह यादव ने जिलावार सदस्यता अभियान प्रभारी नियुक्त किया है। कैलाश यादव को बोकारो का प्रभारी बना गया है। इसके साथ मनोज पाण्डेय भी रहेंगे। ईश्वरी महतो और मोहर सिंह यादव को चतरा, गिरेंद्र यादव और जावेद अख्तर को देवघर, ज्ञानेश्वर यादव और संतोष यादव को धनबाद, सुरेश अग्रवाल और मो जाहिद इकबाल को दुमका, डॉ जनादन कुमार और बॉरेंद्र सिंह यादव को पूर्वी सिंहभूम, मदन पासवान और कलाम खान को गढ़वा, राजकुमार गुप्ता और भूतनाथ यादव को गिरिडीह, मदन यादव और डॉ अरुण कुमार को गोड्डा, प्रणय कु बबलू और संतोष प्रसाद को गुमला, शारदा देवी और भोली प्रसाद साहू को हजारीबाग, शत्रुघ्न यादव और उस्मान गनी को जामताड़ा, फैजुल हक और चंद्रशेखर भगत को खूंटी, डॉ मुतुर्जा

और डॉ मनोज को कोडरमा, मो जियाउद्दीन अंसारी और योगेन्द्र यादव को लातेहार, अजय चंद्रवंशी और साहिल साहनी को लोहरदगा, सुनील कुमार और अशोक मांडी को पाकुड़, नरेश सिंह (विधायक) और सुरेश राम को पलामू, श्यामदास सिंह और रश्मि प्रकाश को रामगढ़, मंजू शाह और विक्रम यादव को रांची, संजय भारद्वाज और कृष्णा यादव को साहेबगंज, कमलदेव सिंह और राजेश यादव को सरायकेला खरसावां, इंद्रदेव ठाकुर और दिनेश दांगी को सिमडेगा और श्रीराम यादव और देवप्रकाश देवता को पश्चिमी सिंहभूम का प्रभारी बनाया गया है। प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव के निर्देशानुसार सभी प्रभारी एक सप्ताह के अंदर जिला अध्यक्षों से समन्वय बनाकर सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने काम करें व कृत कारवाई का प्रदेश कार्यालय को अवगत कराने का काम करेंगे।



नयी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव से लौटे प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

युवा तार्किक बनें और सवाल पूछने की आदत अपने जीवन में विकसित करें : सुदित्य सोनू

स्वाति राज को भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने, शुभांगी क्षितिजा सौरभ और ऋषित को प्रधानमंत्री के समक्ष प्रजेंटेशन देने के लिए किया गया सम्मानित

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद व युवा कार्य मंत्री सुदित्य कुमार सोनू ने नयी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेकर लौटे प्रतिभागियों को बुधवार को सम्मानित किया। मंत्री ने युवाओं को उनकी उत्कृष्ट



उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। वे हर क्षेत्र में परचम लहराने की क्षमता रखते हैं। जरूरत है उन्हें बेहतर

मार्गदर्शन की और सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी, ताकि वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने का सबसे सरल तरीका किताबें हैं। उनसे चीजों को

झारखंड में भी होगा युवा महोत्सव का आयोजन मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड में भी राज्य स्तर पर युवा महोत्सव करायेगी। उनकी प्रतिभा राज्य के विकास में सहायक होगी। उन्होंने राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेकर लौटे प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आपने न केवल हमारे राज्य का नाम रोशन किया है। बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा भी बनें हैं। उन्होंने युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि आपकी मेहनत और समर्पण ने यह साबित कर दिया है कि हमारे राज्य के युवा किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों एवं टीम लीडर को अंग वस्त्र और स्मृति चिह्न प्रदान किया। इस अवसर पर राजेश कुमार, ललिता कुमारी, ओमप्रकाश पांडेय, पुरुषोत्तम आदि मौजूद थे।

परखने की क्षमता आती है। आज की पीढ़ी बहुत तेज है। युवा तर्क करने की क्षमता को विकसित करें। सवाल पूछने की आदत को विकसित करें। युवाओं का जोश

और ऊर्जा राज्य और देश के विकास की नींव है। उन्होंने कहा कि बिना राज्य के विकास के हम देश के विकास की कल्पना नहीं कर सकते हैं।

एजेंसी ने दोनों स्थलों को रोप-वे निर्माण के लिए पाया अनुकूल

खबर मन्त्र व्यूरे

रंची। झारखंड के दो जलप्रपातों जोन्हा और हुंडरू में जल्द ही रोप वे की सुविधा मिलेगी। विभाग की ओर से इसकी कवायद हो रही है। यहां पर्यटक जलप्रपात की खूबसूरती के अलावा रोपवे का भी आनंद लेते हुए वहां के



प्राकृतिक सौंदर्य देख सकेंगे। इन दोनों जगहों पर रोप-वे की संभावना का अध्ययन करने वाली एजेंसी (राइट्स लिमिटेड) ने इसके लिए हरी झंडी दे दी है। एजेंसी ने दोनों स्थलों को रोप वे के निर्माण के लिए अनुकूल पाया है।

राइट्स कंपनी को मिली डीपीआर बनाने की जिम्मेदारी

इस रिपोर्ट के आधार पर पर्यटन, कला संस्कृति एवं खेलकूद विभाग ने दोनों जगहों पर रोप वे के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करने की अनुमति दे दी है। इसकी जिम्मेदारी राइट्स को ही दी गयी है। डीपीआर तैयार होने के बाद योजना प्राधिकृत समिति की स्वीकृति ली जायेगी। इसके बाद इसपर कैबिनेट को स्वीकृति भी ली जायेगी।

राज्य सरकार तलाश रही है संभावना

राज्य सरकार ने पांच जगहों जोन्हा, हुंडरू दशम, कौलेश्वरी और रांची के पहाड़ी मंदिर में रोपवे निर्माण की संभावना का अध्ययन करने की जिम्मेदारी रेल मंत्रालय के उपक्रम राइट्स लिमिटेड को सौंपी थी। इस एजेंसी ने अपने अध्ययन में जोन्हा और हुंडरू को इसके लिए अनुकूल पाया है। हालांकि अन्य की जानकारी उपलब्ध नहीं है।

दशम और पहाड़ी मंदिर में रोप वे निर्माण में बाधा

दशम फॉल में जमीन की समस्या है। अधिसंख्य खूंटकटी जमीन होने के कारण इसके अधिग्रहण में परेशानी आ सकती है। रांची के पहाड़ी मंदिर को रोपवे के लिए अनुकूल नहीं पाया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि रांची के पहाड़ों की जमीन इतनी मजबूत नहीं है कि वहां रोपवे का निर्माण किया जा सके। अधिक भार पड़ने पर वहां की जमीन भरभरा सकती है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राज्यपाल को मतदाता दिवस के लिए दिया निमंत्रण

खबर मन्त्र व्यूरे

रंची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आमंत्रित किया।



दिल्ली स्थित कांग्रेस के नये कार्यालय के उद्घाटन में पहुंचे झारखंड कांग्रेसी



खबर मन्त्र संवाददाता

रंची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नयी दिल्ली स्थित नये कार्यालय के उद्घाटन में पहुंचे झारखंड कांग्रेस कमेटी के प्रदेश

अध्यक्ष केशव कमलेश महतो, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव एवं खुंटी लोकसभा सांसद काली चरण मुंडा। सभी ने उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया।

झारखंड में जारी है कोहरा और बादलों की लुकाछिपी

रंची। झारखंड के मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। बुधवार को रांची का अधिकतम तापमान 24.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।
16 जनवरी का मौसम : मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों तक सुबह में कोहरे और धुंध के साथ बादलों की लुका-छिपी रहने के आसार हैं। ऐसे में गुरुवार को रांची का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, मौसम शुष्क रहेगा।

खबर मन्त्र व्यूरे

रंची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 10 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों से राज भवन में संवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन और राज्य का राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाने के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी। राज्यपाल ने युवाओं की प्रतियोगिता में भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि किसी विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना और अन्य राज्यों की संस्कृति व सोच को समझना युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने कार्यों और उपलब्धियों से न



केवल राज्य बल्कि देश का नाम भी रोशन करें।

राज्यपाल से संवाद के क्रम में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किया। स्वाति राज ने कहा कि उन्होंने विकसित भारत 2047 पर अपने विचार रखे। 3

मिनट के संबोधन के क्रम में उन्होंने पोषण, जीरो हंगर, कानून-व्यवस्था, विरासत, युवा रोजगार और अमृतकाल जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। वहीं, शुभांगी राज ने कहा कि उन्होंने विकास भी, विरासत भी पर अपनी

प्रस्तुति दी। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री जी के साथ संवाद और उनके साथ भोजन को अपने जीवन का गौरवपूर्ण और अविस्मरणीय क्षण बताया। ऋषित ने टेक फॉर विकसित भारत पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने

उल्लेख किया कि एक युवा के दृष्टिकोण से विकसित भारत के लिए तकनीक की भूमिका क्या हो सकती है। उन्होंने अन्य राज्यों के युवाओं की प्रस्तुतियां देखने और उनकी संस्कृति को समझने का अनुभव भी साझा किया। स्वातिका ने कहानी लेखन प्रतियोगिता में विकसित भारत @2047 पर अपने विचार प्रस्तुत किए और विभिन्न विषयों को रचनात्मकता के साथ समाहित किया। राज्यपाल ने प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर खेल निदेशक संदीप कुमार, राज्य निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन ललिता कुमारी, डॉ ओपी पांडे, राजेश कुमार चौधरी सहित विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने दो जहाजों और एक सबमरीन राष्ट्र को किया समर्पित

समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में देश को एक और उपलब्धि : संजय सेठ

खबर मन्त्र व्यूरे

रंची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में एक और उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो जहाजों और एक सबमरीन को राष्ट्र को समर्पित किया है। इंडियन नैवी के सूरत, नीलगिरि और सबमरीन वाघशीर को मुंबई के



नौसेना डॉकयार्ड में शामिल किया गया है। भारतीय नौसेना में लड़ाकू युद्धपोतों को शामिल करना, नौसेना को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा

कदम है। यह पहली बार है, जब एक डिस्ट्रॉयर, एक ब्रिगेड और एक सबमरीन को एक साथ नौसेना में शामिल किया गया है।

गांधीनगर अस्पताल, सीसीएल में 24 जनवरी को हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सा शिविर

खबर मन्त्र संवाददाता

रंची। सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, कांके रोड, रांची में बृहस्पतवार 24 जनवरी को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में यशोदा अस्पताल, हैदराबाद के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. प्रमोद कुचलकान्ति हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जाँच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे।

यशोदा अस्पताल, हैदराबाद के सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. प्रमोद कुचलकान्ति देंगे अपनी सेवा

हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिपोर्ट/जाँच के पेपर हों तो उसे अवश्य लायें। सीएमडी, सीसीएल, निलेन्दु कुमार सिंह के मार्ग निर्देशन में सीसीएल ने कर्मियों के साथ-साथ समाज के

हर वर्ग के लिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर का उद्देश्य है कि जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

खबर मन्त्र संवाददाता

रंची। बीआईटी मेसरा क्रिकेट टूर्नामेंट के छठे संस्करण का भव्य समापन बीआईटी मेसरा के क्रिकेट ओवल में हुआ। इसमें विभिन्न टीमों और उत्साही दर्शकों की भागीदारी देखने को मिली। छह साल पहले शुरू हुआ यह वार्षिक आयोजन सभी स्तरों पर क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता

है, जो बच्चों और महिलाओं को खेल में अपनी प्रतिभा दिखाने और इसे अपनाने का मंच प्रदान करता है। टूर्नामेंट में बीआईटी स्टाफ वाइर्स की जूनियर और सीनियर सेक्शन की टीमों, पास के गांवों की बच्चों की टीम और बीआईटी मेसरा की कामकाजी और गृहिणी महिलाओं की टीम शामिल थीं। यह आयोजन फिटनेस और सामुदायिक बंधन के महत्व को भी दर्शाता है,



खासकर महिलाओं के लिए फिट इंडिया मूवमेंट पर विशेष ध्यान केंद्रित करता है। पीके मिश्रा

मेमोरियल ट्रॉफी, जिसे स्वर्णिमा पायल द्वारा प्रायोजित किया गया था, ऑरेंज चीता टीम ने जीती। वहीं,

जेवी सागर मेमोरियल चिल्ड्रन ट्रॉफी में सीनियर सेक्शन में रॉयल्स चैंपियन बने और जूनियर सेक्शन में डोरेमन्स ने खिताब अपने नाम किया। बीआईटी मेसरा की प्रथम महिला स्निग्धा मन्ना ने इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया। डॉ. गौतम, डॉ. धिमन, डॉ. एस. मिश्रा, और डॉ. घोष सहित सम्मानित फैकल्टी सदस्यों, स्टाफ और बच्च कार्यक्रम में रहे।

राजधानी रांची के जिला स्कूल मैदान में सजेगी किताबों की खूबसूरत दुनिया

दस दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेला 17 जनवरी से

खबर मन्त्र संवाददाता

रंची। स्थानीय जिला स्कूल मैदान में लगेगा 10 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेला का आयोजन किया जायेगा। यहां 17 से 26 जनवरी तक सजेगी अक्षरों की खूबसूरत दुनिया और उत्सवों की रहेगी धूम। ये जानकारी समय इंडिया के प्रबंध न्यासी चन्द्र भूषण ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए बताया कि इस पुस्तक मेले में भागीदारी को लेकर प्रकाशन एवं पुस्तक विक्रेताओं के बीच खासा उत्साह है और वे अपने साथ ला रहे हैं नयी-पुरानी पुस्तकों



की सौगात। पुस्तकें बोलेंगी, बातें करेंगी और ऐसी दुनिया में ले जायेंगी जहां आप थोड़ा और संवेदनशील और मानवीय होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय

पुस्तक मेला के उद्देश्य समाज में पुस्तकों के प्रति पनप रही उदासीनता की भावना को खत्म करना और किताबों के करीब पुस्तक प्रेमियों को लाना है।

छात्र-छात्राओं के लिए एंट्री फ्री : आयोजक चन्द्रभूषण ने बताया कि स्कूली एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को पुस्तक मेला में पुस्तकों के करीब लाने के लिए संस्था की ओर से विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मेला अवधि के दौरान सोमवार से शुक्रवार तक छात्र-छात्राएं प्रातः 11 बजे से 2 बजे के बीच अपना आई कार्ड दिखा कर फ्री प्रवेश पा सकते हैं।

मेले में भाग ले रही प्रमुख संस्थाएं : पुस्तक मेले में जिन प्रकाशकों एवं पुस्तक विक्रेताओं की स्वीकृति मिल चुकी है उनमें राजपाल एण्ड संस, प्रकाशन संस्थान, समय प्रकाशन, यश प्रकाशन, लक्ष्मी प्रकाशन, नैय्यर बुक सर्विस, वर्मा बुक कम्पनी, रोहित बुक कम्पनी, विकल्प प्रकाशन, आर्यन बुक कम्पनी (नई दिल्ली), हिन्द युग (गौतम बुद्ध नगर), दिव्याश प्रकाशन (लखनऊ), योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इंडिया, क्राउन पब्लिकेशन, झारखंड झरोखा, गीता प्रेस (रांची), श्री कबीर ज्ञान प्रकाशन केन्द्र (गिरिडीह), राज्य अभिलेखागार (पटना) आदि प्रमुख हैं। झारखंड झरोखा के स्टॉल पर ही राजकमल प्रकाशन, वाणी प्रकाशन, प्रतियोगिता संबंधी और झारखंड पर केन्द्रित पुस्तकें होंगी।





अखबार हित में न्यूज प्रिंट पर से जीएसटी हटाने की मांग

● समाचार पत्रों के समक्ष अस्तित्व के संकट को लेकर नयी दिल्ली में होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पूरे देश में समाचार पत्रों के समक्ष गहराते संकट और मौजूदा समस्याओं को दूर करने के लिए नवगठित अखिल भारतीय समाचार पत्र प्रकाशक-संपादक संघ की आज यहां रांची प्रेस क्लब में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में अखबारी कागज (न्यूज प्रिंट) को पूरी तरह जीएसटी से मुक्त करने की मांग की गई। इस मांग को लेकर संघ आगामी फरवरी माह में नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आयोजित करेगा और केन्द्र सरकार से इस समस्या का हल निकालने का आग्रह करेगा।

बैठक में उपस्थित बिहार,

झारखंड , नई दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों के चार दर्जन से अधिक समाचार पत्रों के प्रकाशकों-संपादकों ने कहा कि आज देश के समाचार पत्र कई कठिनाइयों के दौर से गुजर रहे हैं और इन्हें दूर करने के लिए संघ निरंतर प्रयास करेगा। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार समाचार पत्र प्रकाशक-संपादक संघ की ओर से समाचार पत्रों खासकर अखबारी कागज (न्यूज प्रिंट) को जीएसटी से मुक्त करने और प्रिंट मीडिया के विज्ञापनों पर लगने वाले जीएसटी को पूरी तरह समाप्त करने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा। संघ की बैठक में इस मुद्दे पर सर्वसम्मति बनी कि यदि अखबारी कागज (न्यूज प्रिंट) पर जीएसटी को तत्काल वापस नहीं लिया जाता है तब तक प्रसार जांच की नई पॉलिसी को स्थगित रखने के साथ-साथ सरकार इसकी समीक्षा के लिए एक आयोग का गठन करे और आयोग समाचार पत्रों के समक्ष



सरकार के स्तर पर उत्पन्न कठिनाइयों को दूर करने के संबंध में गहन अध्ययन कर एक प्रतिवेदन केंद्र सरकार को समर्पित करे। बैठक में प्रकाशकों ने एक स्वर से कहा कि आज हिंदी समेत सभी भाषाई अखबारों के समक्ष अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया है और इससे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा खतरा दिख रहा है। उन्होंने कहा कि यदि देश में बड़े पैमाने पर समाचार पत्रों के समक्ष बंदी की स्थिति उत्पन्न हुई तो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से समाचार पत्रों से जुड़े एक करोड़ परिवार यानि करीब 5 करोड़ लोग प्रभावित तथा

बेरोजगार हो जाएंगे। बेरोजगार होने वाले में प्रखंड, अनुमंडल, जिला तथा राज्य स्तर पर कार्यरत पत्रकारों के अलावा अखबार के वितरण कार्य में लगे हॉकर तथा एजेंट भी शामिल होंगे। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा और पूरे देश के समक्ष बेरोजगारी को लेकर अलग तरह का बड़ा संकट उत्पन्न हो जाएगा। इसके साथ 6 वर्षों से विज्ञापन दर को संशोधित करने के मामले को लंबित रखे जाने के समाधान किए जाने पर जोर दिया गया।

संघ की ओर से कहा गया है कि अखबारी कागज, रस्वाई, मुद्रण

में प्रयुक्त होने वाली अन्य सामग्रियों पर जीएसटी लागू किए जाने से अखबार प्रकाशन की लागत में काफी वृद्धि हुई है जबकि दूसरी ओर डीएवीपी का विज्ञापन दर पिछले 6 वर्षों से संशोधित नहीं किया गया है। गौरतलब है कि डीएवीपी (अब केंद्रीय संचार ब्यूरो) की ओर से प्रत्येक 3 वर्ष पर विज्ञापन दर संशोधित करने की परंपरा रही है।

बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 10 फरवरी को नई दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया या कांस्टीट्यूशन क्लब में समाचार पत्र प्रकाशकों-संपादकों का एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें समाचार पत्र उद्योग की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा होगी और इस सिलसिले में समस्याओं के समाधान के लिए संघ का शिष्टमंडल प्रधानमंत्री, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, सूचना एवं प्रसारण सचिव, केंद्रीय संचार ब्यूरो और प्रेस

इनफॉर्मेशन ब्यूरो के महानिदेशक तथा भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक से मिलकर समाचार पत्र उद्योग के समक्ष उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए विचार-विमर्श और आग्रह करेगा। बैठक में सभी प्रकाशकों और संपादकों की आशंका थी कि यदि समाचार पत्र उद्योग पर गहराते संकट को दूर करने के लिए अपेक्षित कदम नहीं उठाए गये तो लोकतंत्र के चौथा स्तंभ का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

बैठक में कमल किशोर, रजत गुप्ता, सौरभ सिंह, अविनाश ठाकुर, अशोक कुमार, प्रेम शंकर, विनय कुमार, श्रीराम अम्बष्ट, विनय वर्मा, राहुल सिंह, रोहित दत्त, देवन राय, संजय पोद्दार, नित्यानंद शुक्ला, एसएम खुर्शीद, सम्पूर्णानंद भारती, नवल सिंह, मधुकर सिंह, मो. रहमतुल्लाह, संतोष पाठक, मुस्तकीम आलम, अनश रहनुमा समेत बड़ी संख्या में प्रकाशक-सम्पादक उपस्थित थे।

रांची डीसी ने स्मार्ट डिस्प्ले का फीता काटकर किया शुभारंभ



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने बुधवार को समाहरणालय स्थित कमरा संख्या-608 के एनआईसी सभागार में स्मार्ट डिस्प्ले का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस स्मार्ट डिस्प्ले में कई अत्याधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जो उच्च क्षमता वाले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए उपयुक्त हैं। इसमें स्प्लिट स्क्रीन की सुविधा

भी है, जिससे एक साथ दो फीचर्स का उपयोग किया जा सकता है। यह स्क्रीन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता रांची रामनारायण सिंह, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची राजीव कुमार, अतिरिक्त जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रांची रिमा कुजूर, और जिला खनन पदाधिकारी रांची अबु हुसैन उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

एफटीवी सैलून का भव्य उद्घाटन

रांची। रातू रोड में बुधवार को एफटीवी सैलून का भव्य उद्घाटन हुआ। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अनीता गुप्ता एवं छवि गुप्ता उपस्थित थीं। स्पेशल अतिथि के रूप में हिल टाप पब्लिक स्कूल की प्राचार्य संगीता राज मोजूद थीं। यह एक फैशन टीवी सैलून की फ्रेंचाइजी इकाई है जो कि हर तरह की फैशन के क्षेत्र में सेवा देने के लिए तैयार है।



आईसीएम श्रमिक संघ की बैठक आयोजित

रांची। आईआईसीएम कांके रोड रांची में बुधवार को आईआईसीएम श्रमिक संघ की बैठक अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कैपस के अंदर कार्य कर रहे कर्मचारियों के साथ हो रहे भेदभाव के संबंध में चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कैपस के अंदर कार्य कर रहे कर्मचारियों के साथ हो रहे भेदभाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी कर्मचारियों को समान अधिकार और सुविधाएं प्रदान की जाएं। आईसीएम श्रमिक संघ ने इस मुद्दे पर कोल इंडिया से हस्तक्षेप की मांग की है।

परिषद एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से दरोगा सिंह का इस्तीफा

रांची। स्वामी सहजानंद सरस्वती ब्रह्मर्षि विकास परिषद ट्रस्ट के अध्यक्ष पद से दरोगा सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। मंगलवार को दिए इस्तीफा में उन्होंने कहा है कि पिछले कई वर्षों से वह अपने जिम्मेदारी, भूमिका एवं दायित्वों का निर्वहन निष्ठा पूर्वक करते आ रहे थे। परंतु कुछ महीनों से वह लगातार अस्वस्थ रह रहे हैं। डॉक्टर ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। इस कारण वह अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में उन्होंने त्यागपत्र देने का निर्णय लिया है। परिषद के परिनियम के आलोक में उन्होंने स्वतः अपना त्यागपत्र समर्पित कर दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र स्वामी सहजानंद सरस्वती ब्रह्मर्षि विकास परिषद ट्रस्ट के उपाध्यक्ष को सौंपा है।

डॉ. गुरुचरण साहू बनाये गये रांची विवि के प्रभारी रजिस्ट्रार

रांची। रांची यूनिवर्सिटी में प्रभारी रजिस्ट्रार के पद पर पीजी केमिस्ट्री विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गुरुचरण साहू को नियुक्त किया गया है। राज्यापाल सह कुलाधिपति के संतोष गंगवार के निर्देश पर इन्हें नियुक्त किया गया है। डीआर डॉ. प्रीतम कुमार द्वारा नियुक्ति से संबंधित नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि डॉ. साहू का कार्यकाल एक वर्ष या स्थायी रजिस्ट्रार की नियुक्ति होने तक रहेगा। वर्तमान में डॉ. बिनोद कुमार रजिस्ट्रार का प्रभार संभाल रहे थे।

लेफ्टर नियुक्ति के नोडल पदाधिकारी बने डॉ. बिनोद नारायण

रांची। रांची यूनिवर्सिटी में नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए नोडल पदाधिकारी के पद पर डॉ. बिनोद नारायण को नियुक्त किया गया है। वीसी डॉ. अजीत कुमार सिन्हा के आदेश के आलोक में डीआर डॉ. प्रीतम कुमार द्वारा नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि पीजी सोशियोलॉजी विभाग के अलावा वोकेशनल कोर्सों समेत सभी नियुक्तियों के नोडल पदाधिकारी के रूप में कार्य करते रहेंगे।

चैती दुर्गा पूजा समिति संस्थापक सदस्य मनोज गुप्ता का निधन

रांची। डोरंडा बाजार काली पूजा समिति के वरिष्ठ सदस्य व चैती दुर्गा पूजा समिति के संस्थापक सदस्य मनोज गुप्ता शुन्नु का आकस्मिक निधन मंगलवार को हो गया। स्थानीय घाघरा नामकुम स्थित स्पर्णरेखा घाट में अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। स्व. मनोज गुप्ता शुन्नु के निधन पर सांसद दीपक प्रकाश, विधायक नवीन जायसवाल सहित प्रकाश वर्मा, जयदेव घोष, विवेक सहाय, निर्मल गुप्ता, प्रकाश मामा, प्रमोद चौधरी, अरुण गुप्ता, संजीव, विजय, पप्पु वर्मा, शंकर गुप्ता, उमेश बर्मन, विजय पाल, मुकुंश गुप्ता, राहुल गुप्ता, पिप्पू, विजय, सतेंद्र घाटक सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने शोक व्यक्त किया। यह जानकारी मनोज वर्मा ने दी।

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने की जन सेवा

रांची। मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने बुधवार को शाखा अध्यक्ष धिनिता सिंसनिया के नेतृत्व में संकट मोचन मंदिर मेन रोड में जरूरतमंदों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। मौके पर शाखा अध्यक्ष ने बताया कि अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के 40वें स्थापना दिवस को वृहत रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर झारखंड प्रांत द्वारा सात दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। इस मौक पर सचिव शुभा अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजिका रिमता अग्रवाल, चंद्रकला एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

एचडीएफसी बैंक का राइडर्स म्यूजिक फेस्टिवल आयोजित

रांची। एचडीएफसी बैंक ने रेड एफएम 93.5 एफएम के सहयोग से एक दिवसीय राइडर्स म्यूजिक फेस्टिवल का आयोजन किया। मौके पर जोनल हेड संदीप गौतम ने कहा कि हमें इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। इस कार्यक्रम में राजधानी के विभिन्न हिस्सों से बाइकर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान एचडीएफसी बैंक शाखा की टीम के साथ-साथ कई अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।



खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के वीसी डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने बुधवार को विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा संयुक्त तौर पर लिखी गई पुस्तक-अंडरस्टैंडिंग इंडिया की एक प्रति उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार को भेंट की। वीसी ने प्रधान

सचिव राहुल पुरवार को अंडरस्टैंडिंग इंडिया यानी भारत बोध पुस्तक के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह पुस्तक सही मायनों में इसलिए काफी महत्वपूर्ण और उपयोगी हो जाती है, क्योंकि न सिर्फ यह पुस्तक नई शिक्षा नीति के अंडरस्टैंडिंग इंडिया सिलेबस को हूबहू ध्यानगत करते हुए लिखी गई है, बल्कि इसके प्रत्येक खंडों का लेखन कार्य उस खंड विशेष

सरला बिरला स्कूल में मकर संक्रांति उत्सव का आयोजन



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में मकर संक्रांति का उत्सव बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस खास मौके पर एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्यों

में इस पर्व के महत्व और उससे जुड़ी परंपराओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यालय के चारों सदनों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाने के लिए शानदार झांकियों का प्रदर्शन किया। इनमें असम का बिहू, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना का

रेड सी इंटरनेशनल स्कूल में बाहरी छात्रों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रेड सी इंटरनेशनल स्कूल में बाहरी छात्रों के लिए एक भव्य ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन बुधवार को किया गया। इस प्रतियोगिता में आसपास के अन्य स्कूलों में पढ़ने वाले तथा शिक्षा से वंचित स्लम परिया के कई बच्चों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में तीन आयु वर्गों के छात्रों ने हिस्सा लिया। ग्रुप ए (3-4 वर्ष), ग्रुप बी (5-6 वर्ष) और ग्रुप सी (7-8 वर्ष)। बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से कागज पर उतार कर सबको प्रभावित किया। ड्राइंग प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि एवं मुख्य जज जाने-माने पेंटर आर्टिस्ट

निःसंतानता को लेकर गलधारणाओं को दूर करने की आवश्यकता : सीपी सिंह

● इन्दिरा आईवीएफ अब बरियातु रांची में भी शुरू

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। भारत में निःसंतानता आज भी ऐसा विषय है, जिस पर बात करने में लोग सहज महसूस नहीं करते हैं। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में ये समस्या काफी बढ़ी है। आज के समय में जटिल समस्याओं के बावजूद आधुनिक तकनीकों से संतान सुख मिल सकती है। निःसंतानता उपचार के क्षेत्र में इन्दिरा आईवीएफ ने एक और कदम रखा है। उन्होंने बरियातु में अपने नवीनतम

आईवीएफ हॉस्पिटल की शुरुआत की है। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह, विशिष्ट अतिथि इन्दिरा आईवीएफ रांची हेड व ईस्ट जोन क्लस्टर क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ श्रुति सिंह, हॉस्पिटल हेड डॉ विनिता सिंह, विशेष अतिथि डॉ शोभा चक्रवर्ती, डॉ करुणा झा, डॉ, उषा रानी, डॉ प्रतिबाला सहाय, डॉ सुष्मा प्रिया, डॉ कुमकुम विद्यार्थी, डॉ एस सिंह, डॉ शशिबाला सिंह, डॉ उषा नाथ, डॉ मुक्ता नारायण, डॉ अनुष्मा विद्यार्थी ने फीता काटकर समारोहपूर्वक किया। मौके पर सीपी सिंह ने कहा कि निःसंतानता को लेकर गलधारणाओं को दूर करने की आवश्यकता है,



इन्दिरा आईवीएफ जागरूकता शिविरों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है, यह अच्छी पहल है। लोग आईवीएफ के खर्च को लेकर चिंतित करते हैं ऐसे में कम खर्च में आईवीएफ ट्रीटमेंट मिलने से दंपतियों

पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। इन्दिरा आईवीएफ ग्रुप के सीईओ और को-फाउंडर डॉ क्षितिज मुर्धिया ने कहा कि निःसंतानता की बढ़ती समस्या को देखते हुए हम उच्च तकनीकी से युक्त निःसंतानता उपचार केंद्रों का एक विशाल नेटवर्क बनाने

के लिए कार्य कर रहे हैं। हम निःसंतानता के उपचार को अधिक सुलभ बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रुप द्वारा देशभर में एक लाख साठ हजार से अधिक सफलतम आईवीएफ प्रोसिजर किये जा चुके हैं।

हॉस्पिटल हेड डॉ श्रुति सिंह ने बरियातु में हॉस्पिटल की शुरुआत के अवसर पर कहा कि भारत में लगभग 33-34 मिलियन दम्पतियों के सामने आने वाली निःसंतानता संबंधी चुनौतियों को दूर करने के प्रयास करते हुए अत्याधुनिक निःसंतानता उपचार केंद्रों की उल्लेख्यता का विस्तार करना हमारा लक्ष्य है। बरियातु हेड डॉ विनिता सिंह ने कहा

कि दम्पतियों को नवीनतम निःसंतानता उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए बरियातु हॉस्पिटल की शुरुआत बड़ा कदम साबित होगी। इन्दिरा आईवीएफ ग्रुप की ओर से यहां पर अत्याधुनिक तकनीक और स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल का उपयोग करके दम्पतियों को जटिल समस्याओं के बावजूद माता-पिता बनने में सहायता प्रदान की जाएगी। बरियातु हॉस्पिटल के उद्घाटन के अवसर पर पूरे जनवरी महीने में निःशुल्क निःसंतानता परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें दम्पति एक्स्पर्ट डॉक्टर से निःसंतानता संबंधी परामर्श का लाभ ले सकते हैं।



भीषण आग से नुकसान

अमेरिका में जंगल की आग ने भड़कने के बाद कई शहरी इलाकों को चपेट में ले लिया। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों व सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब बारह लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विर्दंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हरितयों के घर, व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा-तफरी से जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग ईंसानों द्वारा ही लगायी जाती है।



मेष : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक- 5-7-9

वृष : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क : आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह : आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है, मगर नकारात्मक रख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अय्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। शुभांक-3-5-6

धनु : प्रियजनों से सामागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितेषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार कार्य करें। लौटा देने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-1-3-5

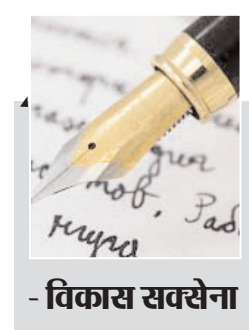
दिल्ली की सत्ता पर पिछले दस साल से काबिज आम आदमी पार्टी को इस बार के विधानसभा चुनाव में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जिस राजनैतिक जमा पूंजी के साथ इस राजनैतिक दल का गठन किया गया था, बीते एक दशक में ही उसके नेताओं ने इसे पूरी तरह गंवा दिया है। पार्टी की स्थापना के समय जो उच्च नैतिक मानदंड और आदर्श स्थापित किया गए थे वे दूर-दूर तक पार्टी नेताओं के व्यवहार में नजर नहीं आ रहे हैं।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान अण्णा हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन शुरू हुआ। उस समय टू जी स्पेक्ट्रम, कामनवेल्थ गेम्स, आदर्श हाउसिंग सोसाइटी और कोयला घोटाले जैसे लाखों करोड़ रुपये के घपलों के समाचार लगातार मीडिया की सुर्खियां बन रहे थे। तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के दौरान हुए घोटालों के खिलाफ सीएजी की रिपोर्ट और न्यायालय के आदेशों से लोगों को लगने लगा था कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग या तो खुद भ्रष्टाचार में लिप्त या भ्रष्टाचारियों को उनका संरक्षण प्राप्त है। लगातार दूसरी बार देश की सत्ता पर काबिज होने से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का दंभ चरम पर था। भ्रष्टाचार से जुड़े हर सवाल के जवाब में वे एक ही बात कहते नजर आते थे कि 2009 के आम चुनाव में दूसरी बार सत्ता सौंप कर देश की जनता ने उन्हें क्लीन चिट दे दी है। ऐसे में समाजसेवी अण्णा हजारे के नेतृत्व में इण्डिया अमेंटेड करप्शन के बैनर तले दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन शुरू किया गया। इस आंदोलन की सिर्फ एक मांग थी कि देश में जनलोकपाल बनाया जाए। असीम शक्तियों से सम्पन्न यह जनलोकपाल देश से भ्रष्टाचार को खत्म कर देगा। इसी समय योग गुरु बाबा रामदेव ने भी विदेशों में जमा काले धन को वापस लाने की मांग को लेकर दिल्ली में आंदोलन शुरू किया। जिसे सरकार ने निर्ममता पूर्वक कुचल दिया।

देश की जनता राजनेताओं, बड़े कॉर्पोरेट घरानों और नौकरशाही की दुरुष्थि संघि से दिनों-दिन बढ़ते भ्रष्टाचार को अपने दैनिक जीवन में महसूस कर रही थी। जनलोकपाल का जो खाका अण्णा हजारे के आंदोलन के समय पेश किया गया उसे देख कर लोगों ने महसूस किया कि इससे भ्रष्टाचार की समस्या पर काफी हद तक काबू किया जा सकेगा। लेकिन सत्ताधारी कांग्रेस की नेताओं ने जनलोकपाल बनाने की मांग का



उपहास करते हुए आंदोलन से जुड़े नेताओं को खुद राजनीति में आकर इस तरह का कानून बनाने की चुनौती दी। अण्णा आंदोलन को देशभर में मिले व्यापक जनसमर्थन और तत्कालीन सत्ताधारी दल कांग्रेस के विरुद्ध



तैयार हो रहे जनमत से उत्साहित आंदोलन से जुड़े कुछ नेताओं ने राजनैतिक क्षेत्र में व्याप्त गंदगी को साफ करने के लिए लिए स्वयं इस दलदल में उतरने की योजना बनाई। हालांकि अण्णा हजारे इस आंदोलन से जुड़े लोगों के राजनीति में उतरने के विचार से सहमत नहीं थे। वैकल्पिक राजनीति के नए विचार के साथ अरविन्द केजरीवाल, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, शाजिया इल्मी आदि ने एक नया राजनैतिक दल बनाने की योजना तैयार की और इसे नाम दिया गया- आम आदमी पार्टी। इस राजनैतिक दल की औपचारिक घोषणा के लिए दिन चुना गया 26 नवम्बर 2012 का ताकि देश की जनता को भारत के संविधान के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता का सीधा संदेश दिया जा सके।



क्या आप दिल्ली का किला बचा पायेगी?



संविधान सभा ने 26 नवम्बर 1949 को ही देश के संविधान को स्वीकृति प्रदान की थी। इसी समय पार्टी की विचारधारा को स्पष्ट करते हुए अरविन्द केजरीवाल ने कहा था द्दहम आम आदमी हैं। अगर वामपंथी विचारधारा

बड़े-बड़े आदर्शों के साथ शुरू हुई आम आदमी पार्टी ने चंद महीनों के भीतर खुद को पारंपरिक राजनीति के अनुरूप ढालना शुरू कर दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2013 में पहली बार जनता की अदालत में पहुंची आम आदमी पार्टी के 28 उम्मीदवारों को लोगों ने विधानसभा पहुंचा दिया। सत्ता की चाह में बच्चों की कसम और सभी आदर्शों को भुलाकर अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बना ली। इसके बाद एक-एक करके उन सारे आदर्शों को तिलांजलि दे दी गई जिनकी बात 26 नवम्बर 2012 को की गई थी। पार्टी के अधिकांश संस्थापक सदस्यों प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी, कुमार विश्वास आदि ही नहीं बल्कि पार्टी के आंतरिक लोकपाल एडमिरल रामदास तक को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। आम आदमी पार्टी से जुड़े नेता सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को सादगी पूर्ण जीवन की बात कहते हुए छोटे मकान, छोटी कार और सीमित सुरक्षा की नसीहत देते थे लेकिन सत्ता में आते ही आआपा नेता उन सभी सुख-सुविधाओं को भोगते नजर आ रहे हैं जिसे लेकर वे राजनेताओं की तीखी आलोचना किया करते थे। खासतौर पर अरविन्द केजरीवाल पर कोरोना काल में अपने सरकारी आवास की मरम्मत पर 33 करोड़ रुपये खर्च करने के आरोप लगे। लाखों रुपये के पदें, टॉयलेट और टायल्स आदि को लेकर चर्चा में आया उनका आवास शीशमहल के तौर पर आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इसके अलावा अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिंसोदिया और सत्येंद्र जैन समेत पार्टी के तमाम नेता और मंत्री महिला उल्पीड़न, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में जेल की हवा खा चुके हैं। जहां तक हाईकमान संस्कृति की बात है तो ऐसा लगता है कि अरविन्द केजरीवाल अब पार्टी के स्थायी राष्ट्रीय संयोजक हो चुके हैं। उनके शब्द पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अंतिम आदेश है और मुख्यमंत्री पद के एकमात्र दावेदार भी वही होंगे। अगर मजबूरी में कोई दूसरा मुख्यमंत्री जैसे संविधानिक पद पर भी बैठेगा तो उसे भरत भाव में रहना होगा।

भ्रष्टाचार विरोधी अण्णा आंदोलन के गर्भ से जन्मी आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी उसके नेताओं की भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रतिबद्धता और सादगी पूर्ण जीवन थी। लेकिन इन दोनों मामलों में आआपा नेताओं खासा निराश किया। पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद दिल्ली में

5 दिन का सप्ताह और 35 घंटे काम करने की बात देश के लिए ज्यादा बेहतर

सामयिक

श्रम के अमानवीय दोहन की गंभीरता को इस बात से देखा जा सकता है कि मजदूरी का हिस्सा 1990-91 के 27.64 प्रतिशत से तेजी से घटकर 2022-23 में 15.94 प्रतिशत हो गया है, जबकि इसी अवधि के दौरान शुद्ध लाभ का हिस्सा 19.06 प्रतिशत से बढ़कर 51.92 प्रतिशत हो गया है, साथ ही नौकरियों में छंटनी भी बढ़ती जा रही है। सीआईटीयू मजदूर वर्ग के सभी तबकों से आह्वान करती है कि वे पूंजीपति वर्ग की ऐसी घिनोना प्रतिस्पर्धी पहलों के खिलाफ आक्रोश के साथ उठ खड़े हों तथा आने वाले दिनों में उनके बुनियादी अधिकारों और सामाजिक जीवन पर हमले के षडयंत्रकारी शैतानी कदम के खिलाफ कार्यस्थल से लेकर सड़क तक एकजुट देशव्यापी प्रतिरोध कार्रवाइयों के लिए तैयार रहें।

19.06% से बढ़कर 51.92% हो गया है, साथ ही नौकरियों में छंटनी भी बढ़ती जा रही है।

काम के घंटे बढ़ाने के लिए एक के बाद एक अग्रणी कॉर्पोरेट घरानों द्वारा की जा रही ऐसी गंदी प्रतिस्पर्धी पहल केंद्र में बंदी उनकी आजाकारी सरकार के साथ षडयंत्रकारी मिलीभगत का नतीजा है। नए अवधि के दौरान शुद्ध लाभ का हिस्सा

कार्यकारी निर्णय के माध्यम से में काम के घंटों का इस तरह की वृद्धि का प्रावधान जा रही है।

है, हालांकि ट्रेड यूनियन आंदोलन के प्रतिरोध के कारण अभी तक केंद्र सरकार द्वारा श्रम संहिताओं को अधिसूचित नहीं किया जा सका है, फिर भी हमने कुछ राज्य सरकारों द्वारा काम के घंटे बढ़ाकर 12 घंटे प्रतिदिन करने के कई प्रयास देखे हैं, जिनका संयुक्त ट्रेड यूनियन आंदोलन द्वारा विरोध भी किया जा रहा है।

धर्म के मांगलिक स्वरूप को संवर्धित करता है कुंभ

कुंभ 2025



उत्कर्ष और प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ द्वारा प्रयाग के वटव्रक्ष के नीचे ध्यान लगाने का उल्लेख मध्यकालीन तीर्थमालाओं में है। प्रयाग, कौशाम्बी को अति प्राचीन नगर होने के साथ बौद्धों एवं जैन धर्मों प्रचारकों, विचारकों महापुरुषों की स्थली का गौरव भी है।

चीनी यात्री ह्वेनसांग ईस्वी सन 644 के लगभग सम्राट हर्षवर्धन के साथ प्रयाग भी आया था। उसने लिखा यहाँ अन्न बहुत पैदा होता है। फलों के वृक्ष भी खूब पैदा होते हैं। यहाँ की जलवायु उष्ण है। स्वास्थ्य

के लिए अनुकूल है। यहाँ के लोग नम्र और सुशील हैं। यहाँ के लोगों को पठन-पाठन

केश और नख समाधिस्थ हैं।

पुराणों में प्रयाग को सभी तीर्थों का अधिपति कहा गया है। कूर्म पुराण में प्रयाग को सर्वोत्तम तीर्थ कहा गया है। जैसे ग्रहों में सूर्य तथा तारागणों में चंद्रमा प्रमुख है उसी प्रकार समस्त तीर्थों में प्रयाग सर्वोत्तम है। पदम पुराण, विष्णु पुराण, मत्स्य पुराण सहित प्राचीन ग्रन्थों में प्रयाग संस्कृति का उल्लेख और कथाएं हैं। कुंभ भगवान विष्णु का प्रतीक है। कुंभ ज्ञान बुद्धि और आध्यात्मिक विकास का प्रतिनिधित्व करता है। प्राचीन ग्रंथों में कुंभ को एक पवित्र स्थल के रूप में वर्णित किया गया है। प्रयाग में संगम तट पर मेले का आयोजन होता है। भारी संख्या में श्रद्धालु पूरे विश्व से आते हैं।

मेघदूत में कालिदास ने एक यक्ष की कहानी बताई है। वह यक्ष अपनी प्रियतमा से अलग हो जाता है। मेघदूत (बादल दूत) के माध्यम से उसे संदेश भेजता है। इस संदर्भ में कालिदास ने मेघदूत में प्रयाग का उल्लेख कुछ इन शब्दों में किया है। त्रिवेणी संगमे यत्र गंगा यमुना सरस्वतीर अर्थात् जिलातीं है। कालिदास के मेघदूत में कुंभ का सीधा वर्णन नहीं है। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)



युवा शक्ति का सशक्तिकरण: विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025

डॉ. मनसुख मांडविया

भारत अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष-2047 की ओर आगे बढ़ रहा है, ऐसे में हमारे युवा विकसित भारत के निर्माण के हमारे मिशन में सबसे आगे हैं। बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में शामिल करने के माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान पर, हमने राष्ट्रीय युवा महोत्सव को एक असाधारण रूप में परिकल्पित किया है - विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025। यह संवाद केवल एक आयोजन नहीं है, यह एक अभियान है, युवा सशक्तिकरण, नेतृत्व और व्यावहारिक विचारों का एक जीवंत उत्सव है, जो ह्रविकसित भारतह से जुड़े देश के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव की परिकल्पना

दो दशकों से अधिक समय से, राष्ट्रीय युवा महोत्सव सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवा ऊर्जा का प्रतीक रहा है। हालांकि, इस वर्ष, हमने अलग तरीके से सोचने का साहस किया। 18 नवंबर, 2024 को, हमने उत्सव के प्रारूप में एक अभूतपूर्व परिवर्तन की घोषणा की, जिसके केंद्र में नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र-निर्माण को रखा गया।

इस परिकल्पना का केंद्र है - विकसित भारत चुनौती, जो तीन चरणों वाली प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता को भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। यह चुनौती योग्यता, समावेश और पारदर्शिता पर आधारित है, जो भौगोलिक या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना हर युवा भारतीय को योगदान करने का समान अवसर मिलना सुनिश्चित करती है।

पहले चरण, विकसित भारत क्विज में देश भर के लगभग 3 मिलियन युवाओं ने भाग लिया। 12 भाषाओं में आयोजित इस

प्रतियोगिता में पिछले दशकों में भारत की प्रगति के बारे में उनके ज्ञान का परीक्षण किया गया, जिससे समावेश और पहुँच सुनिश्चित हुई।

दूसरे चरण के तहत, विकसित भारत निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहराई से विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पेश किये गए दो लाख से अधिक निबंधों में विकास के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने, सतत विकास को अपनाने, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने जैसे दस विषयगत क्षेत्रों पर विचार प्रस्तुत किये गए। विशेषज्ञ पैनल द्वारा मूल्यांकित इन निबंधों ने हमारे युवाओं की रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक सोच और मौलिकता के बारे में गहन जानकारी प्रदान की।

अंतिम चरण के अंतर्गत, विकसित भारत विजन डेक प्रतियोगिता में शीर्ष प्रतिभागी राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में शामिल हुए। यहाँ, युवा नेताओं ने क्षेत्र (डोमेन) विशेषज्ञों और नेतृत्व मध्यस्थों के पैनल के सामने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। इस चरण में जमीनी स्तर के दृष्टिकोण और क्षेत्रीय विविधता पर जोर दिया गया, जिससे युवा भारतीयों की स्थानीय रूप से कार्य करते हुए वैश्विक स्तर पर सोचने की क्षमता का प्रदर्शन हुआ।

इन चरणों के माध्यम से पूरी हुई यात्रा को सुदृढ़ता और दृढ़ संकल्प की प्रेरक कहानियों से रेखांकित किया जा सकता है। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों तथा राजस्थान और गुजरात के गाँवों से लेकर तमिलनाडु के तटीय शहरों तक, हमने युवा नेताओं को सामाजिक बाधाओं, लॉजिस्टिक्स चुनौतियों और व्यक्तिगत कठिनाइयों को पार करते हुए विकसित भारत का अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करते देखा - एक ऐसा भारत, जिसकी वे कल्पना करते हैं।

भव्य संवाद: एक



ऐतिहासिक समागम

विकसित भारत युवा नेता संवाद 10 जनवरी, 2025 को आधिकारिक तौर पर भारत मंडपम, नई दिल्ली में शुरू होगा, जिसमें 3,000 प्रतिभागी एक ऐतिहासिक समागम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में विकसित भारत चैलेंज ट्रैक से 1,500 प्रतिभागी शामिल होंगे, जो राज्य चैंपियनशिप की शीर्ष 500 टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे, पारंपरिक ट्रैक से 1,000 प्रतिभागी भाग लेंगे, जो राज्य स्तरीय युवा महोत्सवों से चयनित प्रदर्शनों के माध्यम से भारत को सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करेंगे और 500 पथप्रदर्शक शामिल होंगे, जो विषयगत ट्रैक पर अपने अभूतपूर्व योगदान के लिए चुने गए हैं।

प्रतिभागी सांस्कृतिक और विषयगत प्रस्तुतियों, प्रतियोगिताओं

तथा प्रधानमंत्री संग्रहालय और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक जैसे प्रतिष्ठित स्थलों की यात्रा में भाग लेंगे। विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के साथ एक विशेष रात्रिभोज, अनौपचारिक संवाद के लिए एक दुर्लभ मंच प्रदान करेगा, जो युवाओं की आकांक्षाओं को नीति निर्माण अंतर्दृष्टि के साथ जोड़ेगा।

11 जनवरी को एक भव्य उद्घाटन सत्र के साथ संवाद की शुरूआत होगी, जिसमें राष्ट्रीय प्रतीक, वैचारिक नेता और नवोन्मेषक भाग लेंगे। यह उच्च-स्तरीय चर्चा दस महत्वपूर्ण विषयों पर विषयगत विचार-विमर्श के लिए मंच तैयार करेगी, जिसका नेतृत्व सलाहकार और क्षेत्र (डोमेन) विशेषज्ञ करेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम, ह्रविकसित भारत के रंगह्र के साथ

संध्या बेला जीवंत हो उठेगी, जिसमें भारत की कलात्मक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा और यह हमारे युवाओं की असीम क्षमता का भी प्रतीक होगा। यह दिन बौद्धिक विमर्श और सांस्कृतिक उत्सव के बीच एक आदर्श संतुलन बनाता है, जो प्रतिभागियों को बड़े सपने देखने और निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

राष्ट्रीय युवा दिवस: विकसित भारत के लिए एक विजन

स्वामी विवेकानंद की जयंती और युवा सशक्तिकरण की उनकी चिरस्थायी विरासत का सम्मान करने के लिए 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह आयोजन का अंतिम दिन होगा, जो प्रत्येक



एनके मुर्तीधर

समाज और राष्ट्र के बिखरे हुए ऊर्जा के स्रोत युवाओं को संगठित और अनुशासित करके उनकी ऊर्जा को किसी

सकारात्मक लक्ष्य और समाज उत्थान के कार्य हेतु अगार प्रयोग में लिया गया तो यह युवा शक्ति

हर लक्ष्य को भेदती हुई सफलता के नए आयाम गढ़कर

देश और समाज को हिमालय की बुलंदियों तक पहुंचा सकेंगे। इसके लिए उचित शिक्षा, सही मार्गदर्शन एवं अभिभावक, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ताओं व सरकारी तंत्र के पारस्परिक समन्वय की महती आवश्यकता है। अतएव शिक्षा को रोजगारपरक, हिसामुक्त, क्रियाशील, मूल्यपरक एवं प्रकृति से सम्बन्धित करके ही निर्भय, स्वानुशासित, अहिसात्मक जीवन दृष्टि वाले, आत्मनिर्भर, सहकारप्रिय एवं गीता में विंणत 'आत्मन्येवात्मना तुष्ट (अपने भीतर स्वयं से तृप्त) युवाओं का निर्माण किया जा सकता है। ऐसे युवकों के द्वारा ही देश में सामाजिक सौहार्द्र ,सुख-शान्ति व समृद्धशाली समाज की स्थापना की जा सकती है जिसके द्वारा ही आधुनिक सभ्यता के उज्ज्वल भविष्य का सपना साकार हो सकेगा।

कौन संभालेगा युवाओं को

आज प्रश्न यह है कि युवा शक्ति को संभालने और दिशा देने की सामर्थ्य किसमे है। ह्रव्यपूर्ण वर्तमान भारतवर्ष में 13 से 35 वर्ष की आयु वाले लगभग 42 करोड़ युवाओं की मानवीय पूँजी है जो

कि दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में बहुत अधिक है अर्थात हमारा देश इन दिनों सर्वाधिक युवा देश है जिसमें से 70 प्रतिशत (लगभग 29 करोड़) ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं। गाँव में रहने वाले

युवाओं तथा शहरों में निवास करने वाले लगभग 13 करोड़ युवा दोनों के रहन-सहन, क्षमता, रुचि, परिवेश, शिक्षा आदि एकदम अलग है। गाँवो की शिक्षा व्यवस्था और शहरों की सुविधाए, दोनों में जमीन-आसमान का फर्क है। इसलिए ग्रामीण युवाओं को आज शिक्षा एवं रोजगार के पर्याप्त अवसर प्राप्त नही हो पा रहे हैं और वे विकास की दौड़ में पीछे छूट रहे हैं। जबकि किसी भी राष्ट्र की युवा शक्ति उसके रचनात्मक कार्यों का आधार होती है परन्तु जब युवाओं को अपनी योग्यता व शक्ति का सदुपयोग करने का अवसर नही मिलता तो वह अपने वास्तविक मार्ग से भटक जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में युवा शक्ति रचनात्मक कार्यों में व्यस्त न रहकर विध्वंसक कार्यों की ओर अग्रसर होती है।

आज हमारे देश में ग्रामीण युवा शक्ति के सामने अनेक गम्भीर चुनौतियां हैं जिनमें आर्थिक विषमता, मूल्यरहित शिक्षा, शिक्षा का रोजगारोन्मुखी न होना, उचित मार्गदर्शन का अभाव एवं टेलीवीजन के द्वारा सेक्स और हिसा का ग्लैमराइजेशन किया जाना आदि हैं। जिसके कारण उत्पन्न अमीरी-गरीबी की बढती खाई, बेरोजगारी, सामाजिक रिश्तों का

अभाव, पारिवारिक विघटन, उपभोगवादी संस्कृति का प्रसार, टूटते सामाजिक-राजनैतिक मूल्यों ने इन युवाओं के भीतर निराशा पैदा कर दी है। आज हमारे देश में उचित मार्गदर्शन के अभाव में भारतीय युवा पीढ़ी विरभ्रमित है और कुप्रवृत्तियों की पर्गड़डियों में भटककर अपराध और आतंकवाद पर चल रही है। कश्मीर में जारी आतंकवादी गतिविधियों तथा देश के कोने-कोने में पैर पसारते नक्सलवाद में गुमराह युवा वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अतिरिक्त देश की बढती जनसंख्या ने भी युवा वर्ग को दिशा से भटकने के लिए मजबूर कर दिया है। इन



समस्याओं का निदान किए बिना युवा शक्ति को राष्ट्र् विकास के कार्यों से संलग्न कर पाना संभव न हो सकेगा। आर्थिक विषमता भी युवाओं को मार्ग से भटकाने में प्रेरक तत्व है। आज देश में अधिकांश पूँजी चंद हाथों में है जबकि अधिकांश ग्रामीण युवा निर्धन व अशिक्षित परिवारों से संबन्धित है। धन के अभाव में ये ग्रामीण युवक शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं और इनकी प्रतिभा को उचित अवसर नहीं प्राप्त हो पाता है। इसके अतिरिक्त देश की जनसंख्या में तीव्र वृद्धि हो रही है। कृषि योग्य भूमि बढते परिवारों के साथ टुकड़ो में बंटती जा रही है। कृषि से जीवन-यापन संभव नहीं रह गया है। फलस्वरूप युवा वर्ग ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर पलायन करने पर मजबूर है। शहरों में आकर ये युवक मजदुरी कर अपना पेट भरते हैं। जहाँ पर वे शहरी चकाचैंध से परिचित होते है और भौतिक सुखसुविधाओं की प्राप्ति हेतु गलत रास्तों पर चल पड़ते हैं।

वर्तमान शिक्षा युवाओं को परिश्रम से दूर करती है। अल्प शिक्षा प्राप्त ये युवक कृषि व संबन्धित कार्य करने में शिंमन्दगी महसूस करते है। ह्रथोड़ा पढा तो गया हल से, ज्यादा पढा तो गया घर से ह्र कहावत इन पर चरितार्थ होती है। ये युवक कृषि के बजाए नौकरी प्राप्त करने में अपने भविष्य को अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं। जिन युवकों की ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त होता है, वे जल्द से जल्द शहरी क्षेत्रों में स्थानान्तरण कराने का प्रयास करते हैं ताकि शहरी जीवन का लाभ उठा सकें। वर्तमान शिक्षा युवाओं में नैतिक मूल्यों का विकास करने में

असफल सिद्ध हो रही है। शिक्षा एक व्यवसाय नहीं, वरन् संस्कार है। परंतु आज की शिक्षा व्यवसाय ज्यादा नजर आती है। युवा वर्ग कालेजो के माध्यम से ही दुनिया को देखता है। पर शिक्षा में सामाजिक व नैतिक मूल्यों कअभाव होने के कारण वह न तो उपयोगी प्रतीत होती है और न ही युवा वर्ग इसमें कोई खास रुचि लेता है। शिक्षा का सीधा संबंध नौकरी या रोजगार से जुड़ गया है। ऐसे में शिक्षा की व्यावहारिक उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न लगने लगा है।ऐसे में युवा वर्ग की सक्रियता हिसात्मक कार्यों, उपद्रव, हड़तालों, अपराधों और अनुशासनहीनता के रूप में ही दिखाई देती है। शिक्षा में सामाजिक व नैतिक मूल्यों के अभाव ने युवाओं को नैतिक मूल्यों के संरअम उल्लंघन की ओर अग्रसर किया है।मसलन मादक द्रव्यों व धूमपान की आदतें, यौन शुचिता का अभाव आदि ने विद्यालयों को विद्यास्थल के बजाए राजनीतिक अखाड़ा, असामाजिक व अनैतिक कार्यों की जन्मस्थली बना दिया है। दुर्भाग्यवश आज के गुरुजन भी प्रभावी रूप में सामाजिक व नैतिक मूल्यों को स्थापित करने में असफल रहे।

युवाओं के समक्ष एक अन्य चुनौती उचित मार्गदर्शन का अभाव है। आदर्श नेतृत्व ही युवाओं को सही दिशा दिखा सकता है, पर जब नेतृत्व ही भ्रष्ट हो तो युवाओं का क्या? किसी दौर में युवाओं के आदर्श गांधी, नेहरू, विवेकानन्द, आजाद, सुभाष जैसे लोग या उनके आसपास के सफल व्यक्ति, वैज्ञानिक और शिक्षक रहे। पर आज के युवाओं के आदर्श वही हैं जो शार्टकट के माध्यम से ऊंचाइयों पर पहुँच जाते हैं। फिल्मी

अभिनेता, अभिनेत्रियां, विश्वसुन्दरियां, भ्रष्ट अधिकारी, उद्योगपति, राजनीतिज्व और अपराध जगत के डान आदि उनके आदर्श बन गए हैं। फलस्वरूप अपनी संस्कृति के प्रतिमानो और उद्यमशीलता की भूलकर रातौरात ग्लैमर की चकाचैंध में वे शीर्ष पर पहुँचना चाहते हैं। पर वे यह भूल जाते हैं कि जिस प्रकार एक हाथ से ताली नहीं बज सकती, उसी प्रकार बिना उद्यम के ठोस कार्य भी नहीं हो सकता।

विवेक कथन

राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद द्वारा कहे गये कथन निम्न प्रकार हैं :

उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखों न कि लहरों की तरफ-! कुछ सच्चे, ईमानदार और ऊर्जावान पुरुष और महिलाएँ एक वर्ष में एक सदी की भीड़ से अधिक कार्य कर सकते हैं। धर्म आदमी में पहले से ही देवत्व की अभिव्यक्ति है। धन पाने के लिये कड़ा संघर्ष करें पर उससे लगाव मत करो

गे गरीबों में, कमजोरों में और बिमारियों में शिव की देखता हैं, वो सच में शिव की पूजा करता हैं। प्रत्येक आत्मा संभावित परमात्मा है।

दिन में एकबार खुद से बात अवश्य करो.....नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे।

मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढी से मेरे कार्यकर्ता आ जायेंगे। काम, काम, काम बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिये।

पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता हैं ये अमोघ सत्य हैं। एक नायक बनो और सदैव कहो मुझे कोई डर नहीं है।

महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। मेरी भविष्य की आशाएँ युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है।

मृत्यु तो निश्चित हैं, एक अच्छे काम के लिये मरना सबसे बेहतर

हैं। हमारे देश को नायकों की जरूरत हैं, नायक बनो, तुम्हारा कर्तव्य हैं काम करते जाओ और फिर सभी तुम्हारा खुद अनुसरण करेंगे। स्वामी विवेकानंद

उठो, जागो और जब तक मत रुको तब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हों। आप भगवान में जब तक विश्वास नहीं कर सकते जब तक कि आप खुद में विश्वास नहीं करते। जब एक विचार यदि मन में आये तो ये वास्तविक शारीरिक या मानसिक स्थिति में तब्दील हो जाता है। युवाओं के बीच काम करना सबसे अच्छा हैं जिनमें तुम्हारी आशाएँ रहती हैं झ्र धैर्य, व्यवस्थित रूप से और बिना शोर के। एक बच्चा ईसान का पिता होता हैं। एक बूढ़े. आदमी के लिये ये कहना कहा तक उचित हैं कि बचपन पाप हैं या युवा अवस्था पाप है। स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय

युवा नीति 2014
केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फिलहाल लागू राष्ट्रीय युवा नीति 2003 के स्थान पर राष्ट्रीय युवा नीति 2014 के शुभरंभ की मंजूरी दी है। राष्ट्रीय युवा नीति 2014 का लक्ष्य युवाओं की पूर्ण क्षमता हासिल करने के लिए उन्हें सशक्त बनाने और उसके जरिए देश को राष्ट्रों के बीच सही जगह हासिल करने में समर्थ बनाना है। सरकार द्वारा पेश की गई राष्ट्रीय युवा नीति-2014 का उद्देश्य युवाओं की क्षमताओं को पहचानना और उसके अनुसार उन्हें अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना और इसके माध्यम से विश्वभर में भारत को उसका सही स्थान दिलाना है। युवाओं के व्यक्तित्व में सुधार लाने, उनमें नेतृत्व के गुण विकसित करने एवं उनमें ज़िम्मेदार नागरिक के गुण और स्वयंसेवा की भावना उत्पन्न करने के उद्देश्य से युवा मामले विभाग ने विभिन्न कार्यक्रमों को कार्यान्वित किया है। राष्ट्रीय युवा नीति-2014 की विषयवस्तु एवं युवा मामले विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों/ योजनाओं के बारे में अधिक जानकारी विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

(**चीफ सब एडिटर खबर मन्त्र**)



युवा दिवस की थीम

2011 2011 की थीम थी ह्रसबसे पहले भारत।

2012 की थीम थी विविधता में एकता का जश्न।

2013 की थीम थी युवा शक्ति की जागरूकता।

2014 की थीम थी इ्रस मुक्त संसार के लिये युवा।

2015 की थीम थी ह्रयंगमंच और स्वच्छ, हरे और प्रगतिशील भारत के लिये युवा।(इसका नारा था, ‘हमसे है नयी शुरुआत’)

2016 की थीम है विकास, कौशल और सद्भाव के लिए भारतीय युवा।

यायोगकर्ता (इंडोनेशिया)। अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही भारतीय महिला फुटबल टीम का बुधवार को एफएससी महिला फुटबल एशिया कप 2025 के लिए मुंबई की क्वालीफायर मुकाबले में हांगकांग से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। योग्यकर्ता के अमंग रोगो स्पोर्ट्स हॉल में खेले गयेयेये ये मुकाबले में हांगकांग के लिए च्युंग वाइ की ने (13वें, 23वें, 40वें) मिनट में गोल दागरकर हैट्रिक बनायी और वाइ यूएन टिंग ने (27वें) मिनट तथा कुंग यूएन चारफ ने (35वें) मिनट में किये गोल की बदौलत हांगकांग ने भारतीय टीम को खिलाफ जीत दर्ज की।

